No. of Printed Pages : **4** **MMDE-066**

M.Ed. SPECIAL EDUCATION-MENTAL RETARDATION (MEDSEMR)

00142

Term-End Examination

December, 2017

MMDE-066 : CURRICULUM AND TEACHING STRATEGIES FOR PERSONS WITH MENTAL RETARDATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *(i) Both Part - A and Part - B are compulsory.*

(ii) Attempt any three questions from Part - A and any four questions from Part - B.

PART - A

Answer **any three** of the following questions. Each question carries **5** marks. 5x3=15

1. Mention the importance of Cognitive approaches in counselling.

2. What are the changing trends in curriculum development ? Write in brief.

3. Briefly describe the role of reinforcement. Elaborate it's types.

4. Explain the Dever's Taxonomy model for independent living.

5. What is functional analysis ? Explain its role in understanding and managing problem behaviour.

PART - B

Answer **any four** of the following questions.

15x4=60

6. "Record maintenance and documentation are vital processes in any programme." Justify the statement with the types of records in special educational set up.

7. Give a concept of curriculum development. Explain characteristics of students with mental retardation and its relevance to curriculum development.

8. What are the advantages of diagnostic perspective teaching ? Do you think that diagnostic perspective teaching will be helpful for children with mental retardation ? Discuss.

9. "Family functioning and stress are not just influenced by the child with disability alone." Justify this statement with suitable example.

10. Discuss the problem faced in vocational rehabilitation of women with intellectual disability in urban areas and suggest services incorporating remedial measures for the same.

11. Discuss the model of Gary Homby and elucidate the importance of studying the same in the context of disability rehabilitation.

12. Differentiate behavioural approach, cognitive approach and cognitive behaviour approach with suitable examples.

एम.एड. विशेष शिक्षा-मानसिक मंदता
(एम.ई.डी.एस.ई.एम.आर.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.एम.डी.ई.-066 : मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधियाँ

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : *(i)* ***भाग - अ एवं ब अनिवार्य है।***

(ii) ***भाग - अ से किन्हीं तीन एवं भाग ब से किन्हीं चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिये।*

भाग - अ

निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। **5x3=15**

1. परामर्श में संज्ञानात्मक एप्रोचों के महत्व को लिखिये।

2. पाठ्यक्रम विकास के बदलते हुए चलन क्या है? संक्षेप में लिखिए।

3. पुनर्बलन की भूमिका का संक्षिप्त वर्णन कीजिये। इसके प्रकार भी लिखिए।

4. स्वतन्त्रता पूर्वक रहने के लिये डेवर टेक्सोनॉमी मॉडल को समझाइये।

5. कार्यात्मक विश्लेषण क्या है? समस्यात्मक व्यवहार के समझने एवं प्रबन्धन में इसकी भूमिका की चर्चा कीजिए।

भाग – ब

निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** का उत्तर दें।

15x4=60

6. "किसी भी कार्यक्रम में रिकार्ड रखना एवं डाक्यूमेन्टेशन महत्वपूर्ण प्रक्रियाएँ हैं।" विशेष शिक्षा के सन्दर्भ में इस कथन की पुष्टि रिकार्ड के प्रकारों के साथ कीजिये।

7. पाठ्यक्रम विकास की अवधारणा बताइये। मानसिक मन्दता वाले छात्रों की विशेषताएँ बताइये और पाठ्यक्रम विकास में इसके महत्व की चर्चा कीजिये।

8. डायग्नोस्टिक पर्सपेक्टिव टीचिंग के क्या लाभ हैं? क्या आपको लगता है कि मानसिक मन्दता वाले बच्चों के लिये डायग्नोस्टिक पर्सपेक्टिव टीचिंग लाभदायक होगी? चर्चा करें।

9. "परिवार का कार्य एवं तनाव केवल विकलांग बालक की वजह से ही प्रभावित नहीं होता है।" उचित उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या करें।

10. शहरी क्षेत्रों में विकलांग महिलाओं के व्यवसायिक पुनर्वास की समस्याओं की चर्चा कीजिये। इसके लिये सुधारात्मक तरीकों के साथ सेवाओं का सुझाव दीजिये।

11. Gary Homby के मॉडल की चर्चा कीजिये एवं विकलांगता पुनर्वास के सन्दर्भ में इसके अध्ययन के महत्व को लिखिये।

12. व्यवहारात्मक उपागम, संज्ञानात्मक उपागम एवं संज्ञानात्मक व्यवहार उपागम के बीच उचित उदाहरणों सहित अन्तर लिखिये।